आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023
Received:14/01/2023; Published:31/01/2023

अमृतोत्सव भारतीयम्

डॉ. निर्मला

मूल: गीतकार - रांभट्ल नृसिंह शर्मा (तेलुगु)

प्रस्तावना - प्रयाण गीत की धुन में लिखा गया यह गीत गुलामी से निकलकर आजादी के अमृतोत्सव की बेला तक के प्रयाण का प्रणव गीत है। रक्त बहा कर देश को समर्पित हुए उन सभी आजादी के दीवानों, शहीदों, वीर सपूतों, वीरांगनाओं, नेताओं, महान मनीषियों तथा महापुरुषों का उल्लेख इस में गीत किया गया है।

मुखड़ा-

वंदेमातरम् ... पावन यह मंत्र
गूँज उठा जन मानस में सर्वत्र ।
पढ़ी दर पीढ़ी चला यह मंत्र निरंतर
अंग्रेजी सेना कांप उठी भय से आतुर ।
रक्त धारा के बहाव का अविरल स्रोत
गोरों की सत्ता को ललकारे यह गीत ।

वृंद-

आजादी के दीवानों का यह स्वेच्छा गीत,
धनुष-शर के ध्वनि तरंगों का संकेत ।
स्वराज्य भारत का यह प्रयाण गीत,
चिर स्मृतियों का सिंहावलोकन है यह गीत
भारत के यशोगान गान है यह गौरवशाली गीत । ।

अंतरा- 1

बलिदान मंगल पाण्डे का अभिनंदनीय
झांसी की रानी का कृपाण वंदनीय

बेगम हज़रत महल, फिरोज का धैर्य
समरोज्ज्वल महान वासुदेव का शौर्य
लाला लाजपति, बाल गंगाधर की चिंतन धारा
बिपिन, चित्तरंजन के मंतव्य को मिला सहारा
बंकिम चंद्र के गीत से हुआ ऐसा प्रहार
पराधीनता की श्रृंखलओं पर हुआ कुठार का वार ।।

अंतरा 2

अरविंद घोष ने बजाई क्रांति की ढ़ोल
खुदी राम दे दी जान फांसी पर झूल
जूझ गए गोरों से ढ़ींग्रा और बिरसा मुंडा
चले श्यामजी लिए हाथ में विद्रोह का मुराड़ा
भड़क गए चिंगारी बन कर वीर सावरकर
झुलस गई उस में पड़ अंग्रेजी सरकार ।।
रामप्रसाद के खंजर में था क्रांति का तेज
ठाकुर का जन जागृत गीत, हुए गोरे निश्तेज़
सुब्रह्मण्य भारती की अविचल देशभक्ति
गरिमेल्ले की रचना से जगी जनशक्ति ||

अंतरा 3

गलि गलि में फाँसी के फंदे ळटके
उय्यावाड़ नरसिंह ने दिए फिरंगियों को झटके
गोरों के महलों में हिल उठे सिंहासन
सिंह भगत ने किया ऐसा भयंकर गर्जन
सुखदेव, राजगुरु, आजाद कारनामों से आया उफान
आजाद हिंद फौज़' का सुभाष चंद्र लाए तूफान ।।
चिटगाँव का सूर्यसेन चिंगारी बनकर भड़का
अल्लूरी, आँध्र केसरी के शौर्य से गोरों का दिल धड़का ।।
दुग्गिराला ने फैलाई ऐसी अनल की ज्वाला
चिलकमर्ति की कविताओं ने पिरोई वीरता की माला ।।
बंगाल विभाजन को किया लोगों ने अस्वीकार
रौलेट कानून का भी किया जनता ने बहिष्कार ।
जलियनवाला बाग का दारुण कांड,
इससे हुआ असहयोग आंदोलन प्रचंड सै

सायमन को भी न मिली किसी की सहमति
दांडी यात्रा ने नमक पर लगे कर को दी आहुति।।

अंतरा 4

सत्य और अहिंसा के पथ पर चले गाँधी,
बारडोली के सत्याग्रह से सरदार ने लाई आँधी ।
नेहरू, सरोजनी आदि नेताओं की भूमिका महान,
अरुणा असफ अलि ने भी दिया अपना योगदान ।
तार-तार हो, नत हुआ झंड़ा ब्रितानियों का
सृजन किया पिंगलि वेंकय्या ने भारतीय ध्वज का
साकार हुआ भारत का सर्वोच्च विधान,
निर्मित हुआ अंबेडकर से भारत का संविधान ।
पंद्रहागस्त को आजादी का हुआ सूरज उदित,
अमृतोत्सव के पथ पर बढ़ा नव भारत ।।

****